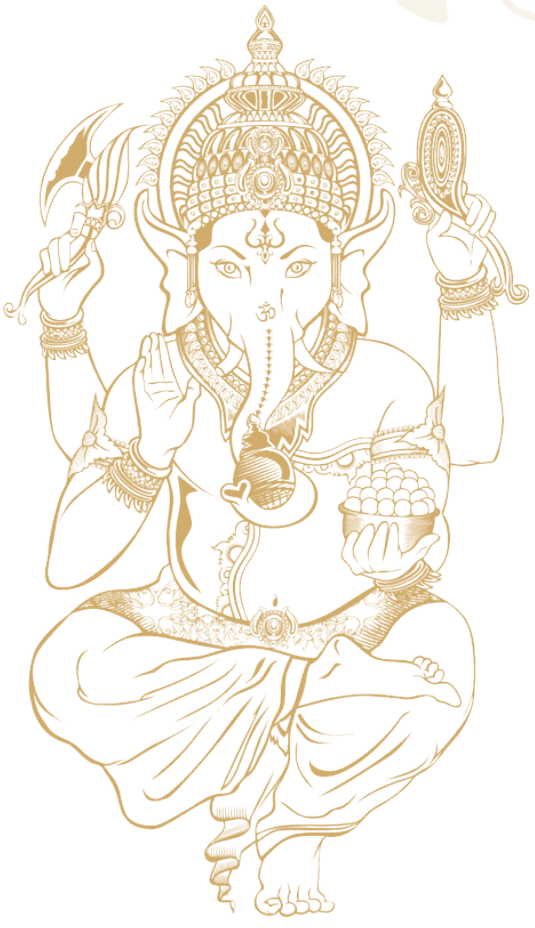

# Mr. Selesh kumar sharma

# Ms. aishwarya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119983802

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 16/04/1993 | जन्म तिथि | 30-31/08/1995 |
| शुक्रवार | दिन | बुध-गुरुवार |
| घंटे 22:13:00 | जन्म समय | 04:00:00 घंटे |
| घटी 39:39:53 | जन्म समय(घटी) | 54:01:03 घटी |
| India | देश | India |
| Barmer | स्थान | Bikaner |
| 25:43:00 उत्तर | अक्षांश | 28:01:00 उत्तर |
| 71:25:00 पूर्व | रेखांश | 73:22:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:44:20 | स्थानिक संस्कार | -00:36:32 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:21:02 | सूर्योदय | 06:13:48 |
| 19:07:15 | सूर्यास्त | 19:00:20 |
| 23:46:04 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:47:56 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| मंगल 0वर्ष 11मा 16दि | 14:01:05 | वृश्चि | लग्न | कर्क | 13:31:33 | राहु 11वर्ष 2मा 16दि |
| गुरु | 02:55:45 | मेष | सूर्य | सिंह | 13:16:42 | शनि |
| 02/04/2012 | 04:50:04 | कुंभ | चंद्र | तुला | 11:41:41 | 16/11/2022 |
| 02/04/2028 | 01:03:13 | कर्क | मंगल | तुला | 01:22:47 | 16/11/2041 |
| गुरु 21/05/2014 | 07:41:57 | मीन | बुध | कन्या | 08:37:19 | शनि 19/11/2025 |
| शनि 02/12/2016 | 13:53:12 | कन्या व | गुरु | वृश्चि | 12:55:22 | बुध 29/07/2028 |
| बुध 10/03/2019 | 10:40:22 | मीन व | शुक्र | सिंह | 16:00:04 | केतु 07/09/2029 |
| केतु 14/02/2020 | 04:14:10 | कुंभ | शनि व | कुंभ | 28:39:03 | शुक्र 06/11/2032 |
| शुक्र 15/10/2022 | 19:36:06 | वृश्चि व | राहु | तुला | 03:46:00 | सूर्य 19/10/2033 |
| सूर्य 03/08/2023 | 19:36:06 | वृष व | केतु | मेष | 03:46:00 | चन्द्र 21/05/2035 |
| चन्द्र 02/12/2024 | 28:23:03 | धनु | हर्ष व | मक | 03:15:26 | मंगल 28/06/2036 |
| मंगल 08/11/2025 | 27:22:27 | धनु | नेप व | धनु | 29:17:55 | राहु 05/05/2039 |
| राहु 02/04/2028 | 01:07:08 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 04:09:25 | गुरु 16/11/2041 |

## लग्न-चलित

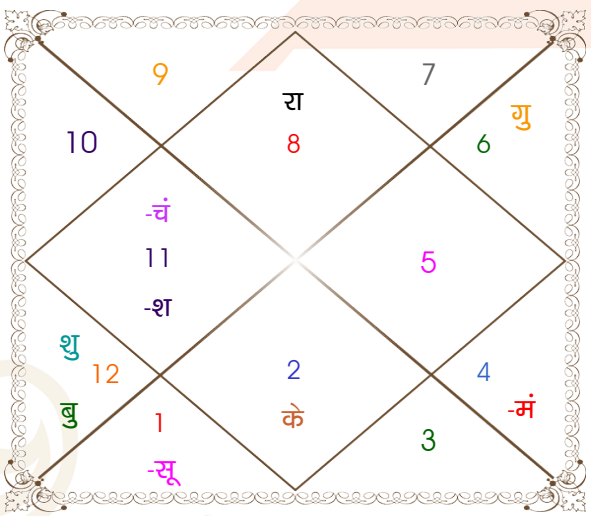


## लग्न-चलित

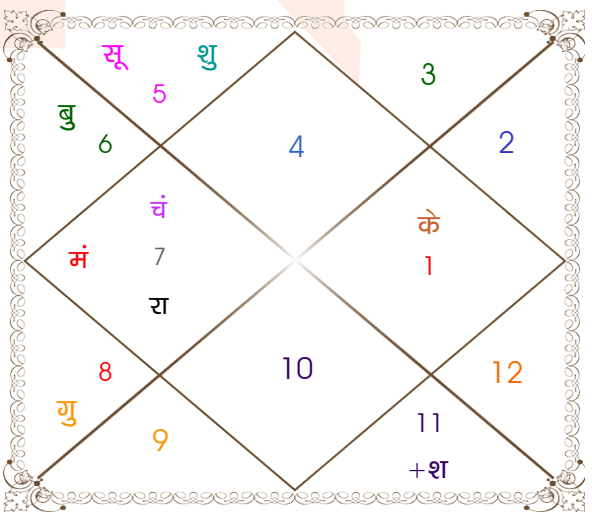

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | शूद्र | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | मानव | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | अतिमित्र | सम्पत | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | सिंह | महिष | 4 | 1.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शनि | शुक्र | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | देव | 6 | 1.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | कुम्भ | तुला | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 21.00 | | |

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्ै मसमी ानउंत ॅंतिउं का वर्ग मार्जार है तथा डेण् ंपीूतलं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ै मसमी ानउंत ॅंतिउं और डेण् ंपीूतलं का मिलान शुभ है।

### मंगलीक दोष मिलान

डतण्ै मसमी ानउंत ॅंतिउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डेण् ंपीूतलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डेण् ंपीूतलं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।**
**अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतण्ैमसमी ïनउंत्ोïतउं कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ैमसमी ïनउंत्ोïतउं तथा डेण् ंपींूतलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।